NH Notes – 13

चौधरी चरण सिंह को उनकी जन्म जयंती पर निम्नलिखित आशाओं के साथ शत-शत नमन!

चौधरी चरण सिंह को उनकी जन्म जयंती पर निम्नलिखित आशाओं के साथ शत-शत नमन:

कि हम किसानों-जमींदारों-पिछड़ों-दलितों के बालक चौधरी साहब की विरासत को और मजबूत करेंगे व् पूरी तन्मयता के साथ इस पर कायम रहेंगे:

1) जिस मुस्लिम-हिन्दू-सिख एकता की मशाल को 1857 से चल सर छोटूराम - सर मलिक खिजर हयात तिवाना - सर सिकंदर हयात, सरदार प्रताप सिंह कैरों के हाथों से होते हुए आगे बाबा महेंद्र सिंह टिकैत के द्वारा थामे जाने का माध्यम व् प्रेरणा चौधरी साहब बने, हम इस किसानी एकता व् समरसता की बैटन को उसी विश्वास और प्रारूप में आज के समयानुसार कायम रखते हुए, आगे आने वाली पीढ़ियों को थमाएंगे|
2) चौधरी साहब के दिए हुए 'अजगर' रुपी एकता के सूत्र को यूँ-का-यूँ कायम रखेंगे|
3) 'देश की प्रगति का रास्ता गावों-खेतों से हो कर गुजरता है' की बात चौधरी साहब ने कही थी, इसको यूँ-की-यूँ कायम रखते हुए, इस रास्ते को और प्रशस्त करेंगे|
4) किसानों-गरीबों के लिए जो कानून उन्होंने बनवाए, हम उनमें और इजाफा करेंगे व् उनके जमाने के पुराने हो चुके कानूनों में आवश्यकता व् समयानुसार संसोधन करवा उनका संरक्षण व् निरंतरता सुनिश्चित करेंगे|
5) किसानी ही एक ऐसा कारोबार है जो एक ही सूरत में फलफूल सकता है और वो है धर्म की कट्टरपंथी ताकतों से दूर रहना और अन्तर्धार्मिक समरसता को कायम रखना| हिन्दू धर्म का एक पुजारी बिना मुस्लिम के दान के गुजारा कर सकता है क्योंकि उसको हिन्दू धर्म के लोग दान दे देंगे| ऐसे ही एक मुस्लिम धर्म का मौलवी बिना हिन्दू के दान के रह सकता है, क्योंकि उसको मुस्लिम दान दे देंगे| परन्तु एक किसान, एक किसान को ना पुजारी दान देता है, और ना मौलवी| यह दोनों ही कभी ऐसा नहीं सोचते कि चलो रे इन किसानों की वजह से हमारे पेट पलते हैं तो बदले में इसके खेतों में दो-चार जोटा मरवा आएं (जोटा मरवा आएं का मतलब सहायता कर आएं)। ऐसे में दोनों धर्मों के किसान-मजदूर व् दलित वर्ग ही आपस का सहारा होते हैं, फिर चाहे वो दिहाड़ी पे काम आने वाला मजदूर हो या डंगोसरा यानी सहायता के बदले दूसरे को सहायता देना हो अथवा सीरी-साझी से काम करवाना हो|

   इसलिए हम आज के युवा किसी भी धार्मिक-कट्टरता की आंधी का खेवनहार बनने से पहले, उनका मुखौटा बनने से पहले यह बात हमेशा याद रखें कि जिस तरह धार्मिक-कट्टरता धर्म वालों का कारोबार है, उसी तरह किसानी-कट्टरता तुम्हारे माँ-बापों का कारोबार है| धर्म वालों का मुखौटा बनने से तुम तुम्हारे माँ-बाप के व्यापार के संसाधन कम कर रहे हो यानी अपने ही घर का आर्थिक व् सामरिक नुक्सान कर रहे हो| धर्म वालों ने कभी पीछे मुड़ के नहीं देखना कि तुम में से कौन कहाँ

मरा और कौन कहाँ कटा| यहां तक कि यह कल को जो किताबें लिखेंगे उन तक में तुम्हारा जिक्र नहीं होगा| ना यकीन हो तो इनके लिखे इतिहास उठा के देख लो, इन्होनें तो धर्म के नाम पर सर्वप्रथम अपनी बोटी-बोटी कटवाने वाले वीरवर गोकुला जी महाराज (गुरु तेगबहादुर जी से भी पहले शहादत दी थी गोकुला जी ने) तक को नहीं लिखा, फिर तुम्हारी तो बिसात ही क्या?

पूर्व प्रधानमन्त्री श्रद्धेय चौ० चरण सिहं द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्य.....

1) खाद और बिजली पर किसानो को अनुदान
2) जमींदारी प्रथा का खात्मा
3) सहकारी खेती लागू होने से रूकवाया
4) पटवारी प्रथा का खात्मा.. किसानो को पटवारियों के चुगंल से बचाया
5) चकवन्दी कानून को लागू कराया
6) मन्डी कानून ...बिचोलियो और दलालो से किसानो को मुक्ती दिलाई
7) पुलिस व्यबस्था में सुधार ..पेट्रोलिग कार वायरलैस सुविधा से युक्त कराया ड्यूटी या मुठभेड में मारे जाने पर पत्नी को पूरा वेतन..
8) नगर निकायो में प्रशासनिक व्यबस्था में व्यापक सुधार
9) सामाजिक वानिकी का शुभारम्भ वन भूमि की व्यबस्था
10) भूमि सरक्षणं कानून
11) पशु बाजारो के संचालन हेतु कानून
12) पशु हाट के सचांलन व नियन्त्रण कानून
13) पशु संरक्षण कानून
14) किसान जोत वही में जाति लिखने की व्यबस्था का खात्मा
15) सीलिगं से प्राप्त भूमि को हरिजन व भूमिहीनो में मजदूरो में आवंटन
16) 3.5 ऐकड तक भूमि का लगान माफ
17) समाज में सुधार हेतु अधिनियमो में परिवर्तन. गुन्डा निरोधक अधिनियम लागू करना तथा प्रभावी अपराध नियन्त्रण
18) ग्रामीण क्षेत्रो में सम्पर्क मार्गो को सडक से जोडना
19) नहर की पटरियो पर सडक निर्माण तथा पटरियो पर वाहन चलाने की अनुमति
20) पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू कराई तथा पुलिस कर्मियो हेतु आवास व्यबस्था कराया जाना
21) **मण्डल आयोग का गठन**
22) ***@ अल्पसख्यंक आयोग का गठन @**
23) काम के बदले अनाज योजना को आरम्भ कराना गरीबो के लिये अंत्योदय योजना लागू कराई
24) चावल चीनी और खांडसारी आदि अन्तराज्यीय प्रतिबन्ध हटाया
25) तम्बाकू की खेती से आबकारी शुल्क समाप्त
26) छोटे राज्यो के पछधर

27) नीति में संसोधन कर मिलो द्वारा 20% कपडे गरीब जनता के लिये बनबाये

28) P. M. के रूप में ग्रामीण मन्त्रालय का गठन

29) नावार्ड बैकं का गठन राष्ट्रीयकृत बैकों से किसानो को लोन

30) 1977- 1978 के बजट में किसानो के लिये गाँव के लिये 40% का पैकेज

31) **** लोक सेवा आयोग की परीक्षा में भारतीय भाषाओ की व्यबस्स्था...

चौधरी साहब की दिल्ली के वोट-क्लब की ऐतिहासिक रैली जिसमें बीस लाख के करीब लोग जुड़े थे का विहंगम दृश्य:

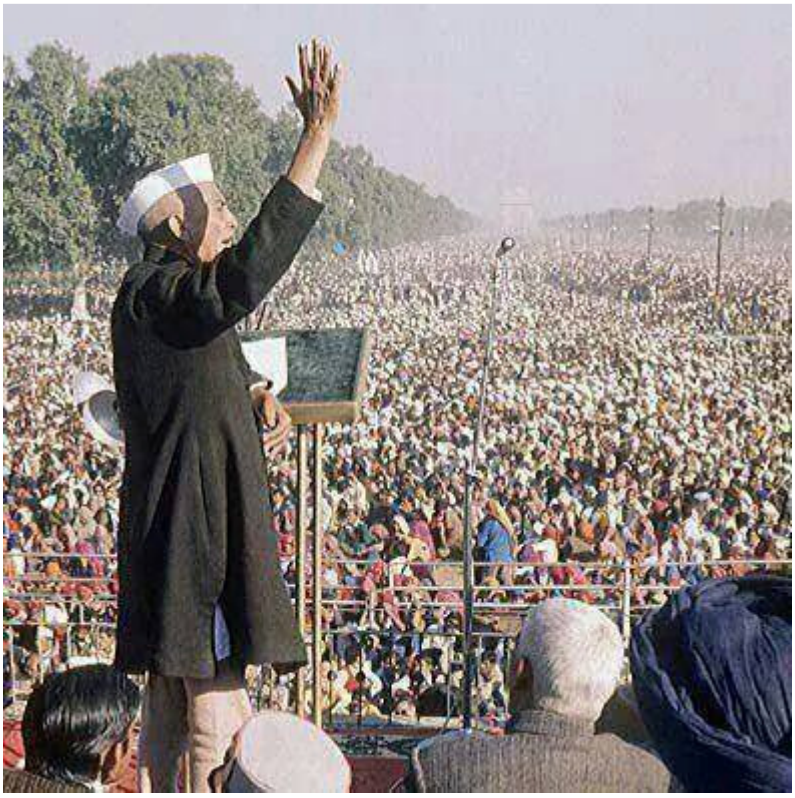

चौधरी चरण सिंह - अमर रहें!

Author: Phool Malik and Chaudhary Pankaj Singh

Publisher: Nidana Heights

Date: 23/12/2014